## पद १८६

(राग: मुलतानी जिल्हा - ताल: दीपचंदी)

आणा आणा गे त्या मधुसूदना। मनमोहन गोपींचा राणा।।ध्रु.।। नेणों गुंतला कवणाचे सदनीं। पहा गे क्रीडतो यमुनेच्या जीवनीं।।१।। शोजीं सुमन घालुनी मी बसल्यें। कांहीं न बोलतांचि रुसले।।२।। माणिकप्रभु गोपीनाथा। कर जोडुनी चरणीं माथा।।३।।